राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD)** ने **राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM)** के तहत **राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार (NGRA) 2024** के विजेताओं की घोषणा की।

- यह पशुधन और डेयरी क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मानों में से एक है और इसे **राष्ट्रीय दुग्ध दिवस** **(26 नवंबर, 2024) पर प्रदान किया जाता है।**

मुख्य बिंदु

- **पुरस्कार का उद्देश्य:**
  - NGRA का उद्देश्य पशुपालन और डेयरी में योगदान को मान्यता देना और प्रोत्साहित करना है।
- **पुरस्कार श्रेणियाँ:**
  - स्वदेशी गाय/भैंस नस्लों का पालन करने वाले सर्वश्रेष्ठ डेयरी किसान,
  - सर्वश्रेष्ठ कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन (AIT)
  - सर्वोत्तम डेयरी सहकारी/दूध उत्पादक कंपनी/डेयरी किसान उत्पादक संगठन।
  - पूर्वोत्तर क्षेत्र (NER) के लिये विशेष पुरस्कार वर्ष 2024 में शुरू किये गए।
- **पूर्वोत्तर क्षेत्र (NER) के लिये विशेष मान्यता:**
  - वर्ष 2024 से, क्षेत्र में डेयरी विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये तीनों श्रेणियों में पूर्वोत्तर क्षेत्र (NER) के लिये एक विशेष पुरस्कार शामिल किया गया है।
- **प्रत्येक श्रेणी का प्रथम रैंक विजेता है:**
  - **देशी गाय/भैंस नस्लों का पालन करने वाली सर्वश्रेष्ठ डेयरी किसान** - श्रीमती रेणु, झज्जर, हरियाणा।
  - **सर्वश्रेष्ठ डेयरी सहकारी समिति/दूध उत्पादक कंपनी/डेयरी किसान उत्पादक संगठन**- द गाबात मिल्क प्रोड्यूसर्स कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, अरावली, गुजरात।
  - **सर्वश्रेष्ठ कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन (AIT)**- श्री भास्कर प्रधान, सुबरनापुर, ओडिशा।
- **पशुधन क्षेत्र पर पृष्ठभूमि:**
  - पशुधन क्षेत्र, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र के **सकल मूल्य संवर्द्धन (GVA)** में एक-तिहाई का योगदान देता है तथा इसकी **चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR)** 8% से अधिक है।
  - यह **किसानों की आय बढ़ाने, विशेषकर भूमिहीन, छोटे और सीमांत किसानों तथा महिलाओं के लिये** तथा **किफायती और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।**

राष्ट्रीय गोकुल मिशन

- दिसंबर 2014 में **राष्ट्रीय गोजातीय प्रजनन एवं डेयरी विकास कार्यक्रम के अंतर्गत इसका शुभारंभ किया गया।**
- **NPBBDD के दो घटक हैं:**
  - **राष्ट्रीय गोजातीय प्रजनन कार्यक्रम (NPBB):** मान्यता प्राप्त देशी नस्लों का संरक्षण और विकास।
  - **राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (NPDD):** दूध संघों/महासंघों द्वारा उत्पादन, खरीद, प्रसंस्करण और विपणन से संबंधित बुनियादी ढाँचे का निर्माण करना।
- **उद्देश्य:**
  - देशी गोजातीय नस्लों का संरक्षण एवं विकास।
  - स्वदेशी नस्लों की उत्पादकता में सुधार लाकर उनके आर्थिक योगदान को अधिकतम करना।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-gopal-ratna-awards